Set: A

Sr. No. of Question Paper: **Your Roll No.....**

Unique Paper Code	**:**	**22417513**
Name of the Paper	**:**	**Entrepreneurship Development DSE-1**
Name of the Course	**:**	**B.Com. (Hons.) CBCS**
Semester	**:**	**V**
Duration	**:**	**3 hours**
Maximum Marks	**:**	**75 Marks**

Instructions for Candidates

1. **Attempt any four questions.**
2. **All questions carry equal marks**
3. **Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.**

1. "Entrepreneurship and intrapreneurship are not mutually exclusive; these are rather dependent on each other for the development of an economy." Elucidate the statement in the light of its conceptual context.

2. "Many a time it is the compulsion rather than the ambition that leads an entrepreneur to success." Critically examine the statement.

3. Ms. Radha and Ms. Vaishnavi were friends and were doing B.Tech in Electronics Engineering from a reputed engineering college in Mathura. While studying in the 6th Semester of B.Tech, they developed a computerized BP monitoring machine which had the facility to send automatic emails of reports. They patented the idea. Now they want to enter in a market where they can manufacture and sell the products. But this idea was full of risk, as the customers might not accept such type of product, but if they get succeed, it may be proved as a revolutionary idea and might change the functioning of different present health checking products.
   The trial product was made. But, for manufacturing and delivering such kind of products they required around Rs. 2 crores. Both of them contacted some affluent individuals who were convinced with the idea with a condition that their funds would be exchanged with a convertible debt.
   Identify the type of investors and mention any four features of such investors.

4. "Individuals carry out series of activities while pursuing entrepreneurship". Elaborate.

5. "One of the most important inhibitory factors which restrict the supply of entrepreneurs in a developing economy is the supply and availability of capital." In the light of this statement, briefly mention the sources of institutional financing in India and also critically examine the role played by these sources in the supply and growth of entrepreneurship in our country.

6. Write short notes on any three of the following:
   (i) Social Entrepreneurship
   (ii) Entrepreneurial Values and Attitude
   (iii) Make in India Initiative
   (iv) Project Appraisal Techniques
   (v) Managing Family Business

Set: A

Sr. No. of Question Paper: **Your Roll No.....**

Unique Paper Code	**:**	**22417513**
Name of the Paper	**:**	**Entrepreneurship Development DSE-1**
Name of the Course	**:**	**B.Com. (Hons.) CBCS**
Semester	**:**	**V**
Duration	**:**	**3 hours**
Maximum Marks	**:**	**75 Marks**

विद्यार्थियों के लिए निर्देश

1. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

3. आप अंग्रेजी या हिन्दी किसी भी माध्यम में उत्तर दे सकते हैं लेकिन सभी प्रश्नों का माध्यम एक जैसा होना चाहिए।

प्र.1 "उद्यमिता और इंट्राप्रेन्योरशिप परस्परिक रूप में अलग नहीं हैं; ये अर्थव्यवस्था के विकास के लिए एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं।" इस कथन को इसके वैचारिक संदर्भ के प्रकाश में स्पष्ट कीजिए।

प्र.2 "कई बार यह महत्वाकांक्षा के बजाय एक मजबूरी हो जाती है जो एक उद्यमी को सफलता की ओर ले जाती है।" इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

प्र.3 सुश्री राधा और सुश्री वैष्णवी दोस्त थे और मथुरा के एक प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक कर रहे थे। बी.टेक के छठे सेमेस्टर में पढ़ते हुए, उन्होंने एक कम्प्यूटरीकृत बीपी मॉनिटरिंग मशीन विकसित की, जिसमें रिपोर्ट के स्वचालित ईमेल भेजने की सुविधा थी। उन्होंने इस विचार का पेटेंट कराया। अब वे एक ऐसे बाजार में प्रवेश करना चाहते हैं जहां वे उत्पादों का निर्माण और बिक्री कर सकें। लेकिन यह विचार जोखिम से भरा हुआ था, क्योंकि ग्राहक इस प्रकार के उत्पाद को स्वीकार नहीं कर सकते थे, लेकिन यदि वे सफल हो जाते हैं, तो यह एक क्रांतिकारी विचार साबित हो सकता है और विभिन्न वर्तमान स्वास्थ्य जांच उत्पादों के कामकाज को बदल सकता है।

परीक्षण उत्पाद बनाया गया। लेकिन, इस तरह के उत्पादों के निर्माण और वितरण के लिए उन्हें लगभग रु. 2 करोड की आवश्यकता है। उन दोनों ने कुछ संपन्न व्यक्तियों से संपर्क किया, जो इस शर्त के साथ इस विचार के साथ आश्वस्त हो गये कि उनके धन का एक परिवर्तनीय ऋण के साथ आदान-प्रदान किया जाएगा।

निवेशकों के प्रकार की पहचान कीजिए और ऐसे निवेशकों की किन्हीं चार विशेषताओं का भी उल्लेख कीजिए।

प्र.4 "उद्यमिता को आगे बढ़ाते हुए व्यक्ति कई गतिविधियों को अंजाम देते हैं"। विस्तारपूर्वक समझाइये।

प्र.5 "एक विकासशील अर्थव्यवस्था में उद्यमियों की आपूर्ति को प्रतिबंधित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण अवरोधक कारकों में से एक पूंजी की आपूर्ति और उपलब्धता होती है।" इस कथन के प्रकाश में, भारत में संस्थागत वित्त पोषण के स्रोतों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए और हमारे देश में उद्यमिता की आपूर्ति और विकास में इन स्रोतों द्वारा निभाई गई भूमिका का भी समालोचनात्मक परीक्षण भी कीजिए।

प्र.6 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः

(1) सामाजिक उद्यमिता

(2) उद्यमी मूल्य और दृष्टिकोण

(3) मेक इन इंडिया पहल

(4) परियोजना मूल्यांकन तकनीक

(5) पारिवारिक व्यवसाय का प्रबंधन